अंक योजना
अति गोपनीय
(केवल आंतरिक और सीमित उपयोग हेतु)
सेकंडरी स्कूल वार्षिक परीक्षा, 2026 (X)
विषय – सामाजिक विज्ञान (087)
पेपर कोड– 32/2/3

सामान्य निर्देश:-

1.	आप जानते हैं कि परीक्षार्थियों के वास्तविक और सही मूल्यांकन में आकलन प्रक्रिया सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है। मूल्यांकन में एक छोटी सी गलती से गंभीर परिणाम हो सकते हैं। भविष्य, शिक्षा प्रणाली और शिक्षण पेशे को प्रभावित कर सकती हैं। गलतियों से बचने के लिए, यह अनुरोध किया जाता है कि मूल्यांकन शुरू करने से पहले, आपको स्पॉट मूल्यांकन दिशानिर्देशों को ध्यान से पढ़ना और समझना चाहिए।
2.	**मूल्यांकन प्रक्रिया गोपनीय नीति का एक हिस्सा है क्योंकि यह आयोजित परीक्षाओं की गोपनीयता, किए गए मूल्यांकन और कई अन्य पहलुओं से संबंधित है। इसका किसी भी तरह से सार्वजनिक रूप से लीक होना परीक्षा प्रणाली के पटरी से उतरने का कारण बन सकता है और लाखों परीक्षार्थियों के जीवन और भविष्य को प्रभावित कर सकता है। इस नीति/दस्तावेज को किसी से भी साझा करना, किसी पत्रिका में प्रकाशित करना और समाचार पत्र/वेबसाइट आदि में छापना भारतीय न्याय संहिता के तहत कार्रवाई को आमंत्रित कर सकता है।**
3.	अंकन योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार मूल्यांकन किया जाना है। यह किसी की अपनी व्याख्या या किसी अन्य विचार के अनुसार नहीं किया जाना चाहिए। अंकन योजना का नियमतः पालन किया जाना चाहिए। हालांकि, मूल्यांकन करते समय, जो उत्तर नवीनतम जानकारी या ज्ञान पर आधारित हैं अथवा नवाचारी हैं, यदि वह ठीक है उसका मूल्यांकन कर उसे उचित अंक प्रदान करें अन्यथा उन्हें अंक नहीं दिए जाएंगे। 10वीं कक्षा में, योग्यता आधारित प्रश्नों का मूल्यांकन करते समय, कृपया दिए गए उत्तर को समझने का प्रयास करें और भले ही उत्तर अंकन योजना से न हो, लेकिन परीक्षार्थियों द्वारा सही योग्यता प्रदर्शित की गई हो तो उसे उचित अंक प्रदान कीजिए।
4.	प्रश्न पत्र को चार (04) खंडों में विभाजित किया गया है, अर्थात् खंड–क, खंड–ख, खंड–ग और खंड–घ। खंड–क इतिहास है, खंड–ख भूगोल है, खंड–ग राजनीति विज्ञान है और खंड–घ अर्थशास्त्र हैं 1- उत्तर लिखने के लिए विद्यार्थी सामाजिक विज्ञान की उत्तर–पुस्तिका को 04 खंडों में विभाजित करेंगे। 2- प्रश्नों के उत्तर केवल संबंधित खंड के लिए निर्धारित स्थान के भीतर ही लिखे जाने हैं। 3- किसी एक खंड का उत्तर किसी अन्य खंड में नहीं लिखा जाना चाहिए और न ही उसके साथ मिलाया जाना चाहिए। 4- यदि उत्तर आपस में मिल जाते हैं, तो उनका मूल्यांकन नहीं किया जाएगा और कोई अंक प्रदान नहीं किए जाएंगे। 5- परिणाम घोषित होने के बाद सत्यापन या पुनर्मूल्यांकन प्रक्रिया के दौरान भी ऐसी गलतियों को स्वीकार नहीं किया जाएगा और न ही उन पर कोई विचार किया जाएगा।
5.	अंक– योजना में उत्तरों के लिए केवल सुझाए गए मूल्य बिन्दु शामिल हैं । ये केवल दिशा निर्देशों की प्रकृति में है और सम्पूर्ण उत्तर नहीं हैं । विद्यार्थियों की अपनी अभिव्यक्ति हो सकती है और यदि अभिव्यक्ति सही है तो उचित अंक प्रदान किए जाने चाहिए।
6.	मुख्य परीक्षक को पहले दिन प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता द्वारा मूल्यांकन की गई पहली पांच उत्तर पुस्तिकाओं को देखना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि मूल्यांकन अंक योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार किया गया है । यदि मूल्यांकन में अंतर है तो चर्चा एवं संवाद से उसे अंतर को समाप्त किया जाना चाहिए। मूल्यांकन के लिए रखी गई शेष उत्तर पुस्तिकाएं यह सुनिश्चित करने के बाद ही दी जाएं कि व्यक्तिगत मूल्यांकनकर्ताओं के मध्य महत्वपूर्ण अंतरों को समाप्त किया जा चुका है।
7.	जब भी उत्तर सही होगा, मूल्यांकनकर्ता (√) चिह्नित करेंगे। गलत उत्तर के लिए 'X' चिह्नित करें। बहुधा मूल्यांकनकर्ता मूल्यांकन करते समय सही प्रकार का चिन्ह नहीं लगाते जिससे यह आभास होता है कि उत्तर

	सही है और कोई अंक नहीं दिया गया है। यह सबसे सामान्य गलती है जो मूल्यांकनकर्ता लगातार कर रहे हैं।
8.	यदि किसी प्रश्न के भाग हैं, तो कृपया प्रत्येक भाग के लिए दाईं ओर अंक दें। प्रश्न के विभिन्न भागों के लिए दिए गए अंकों को जोड़ दिया जाना चाहिए और बाएं हाथ के मार्जिन में लिखा जाना चाहिए और घेरे में लिखा जाना चाहिए। इसका सख्ती से अनुपालन किया जाना आवश्यक है।
9.	यदि किसी प्रश्न में कोई भाग नहीं है, तो बाएं हाथ के मार्जिन में अंक दिए जाने चाहिए और उन्हें घेरे में लिखा जाना चाहिए। इसका सख्ती से अनुपालन किया जाना आवश्यक है।
10.	यदि किसी परीक्षार्थी ने एक प्रश्न को दुबारा हल किया है , तो अधिक अंक वाले प्रयास की गणना मूल्याकंन के लिए किया जाना चाहिए। अन्य उत्तर के अंक के लिए अतिरिक्त प्रश्न लिखिए।
11.	एक ही प्रकार की गलतियों के लिए संचयी प्रभाव से अंक नहीं काटा जाए। इसके लिए लिए केवल एक बार अंक काटा जाएगा।
12.	अंकों का एक पूर्ण पैमाने .....80..... (उदाहरण प्रश्न पत्र में दिए गए 70/60/50/40/30 अंक) का उपयोग किया जाना है। कृपया पूर्ण अंक देने में संकोच न करें यदि उत्तर इसके योग्य है।
13.	प्रत्येक परीक्षक को आवश्यक रूप से पूरे कार्य घंटों अर्थात प्रतिदिन 8 घंटे के लिए मूल्यांकन कार्य करना होता है और मुख्य विषयों में प्रति दिन 20 उत्तर पुस्तिकाओं और अन्य विषयों में प्रति दिन 25 उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करना होता है (विवरण स्पॉट दिशानिर्देशों में दिया गया है)। यह कम किए गए पाठ्यक्रम और प्रश्न पत्र में प्रश्नों की संख्या को देखते हुए है।
14.	सुनिश्चित करें कि पूर्व में परीक्षक द्वारा की गई निम्नलिखित सामान्य प्रकार की त्रुटियों को आप नहीं दोहराएँः • उत्तर या उसके किसी भाग को उत्तर पुस्तिका में बिना मूल्यांकन के छोड़ना। • किसी उत्तर के लिए निश्चित किए गए अंक से अधिक अंक प्रदान करना। • एक उत्तर पर दिए गए अंकों का गलत योग। • उत्तर पुस्तिका के आंतरिक पृष्ठों से शीर्षक पृष्ठ पर अंकों का गलत स्थानांतरण। • शीर्षक पृष्ठ पर प्रश्नवार गलत योग। • शीर्षक पृष्ठ पर दो स्तंभों के अंकों का गलत योग। • गलत कुल योग। • शब्दों और अंकों में अंक का मिलान नहीं होना। • उत्तरपुस्तिका से ऑनलाइन अवॉर्ड सूची में अंकों का गलत स्थानान्तरण। • उत्तर सही के रूप में चिह्नित हैं, लेकिन अंक नहीं दिए गए हैं। (सुनिश्चित करें कि सही का निशान सही और स्पष्ट रूप से दर्शाया गया है। यह केवल एक पंक्ति होनी चाहिए। गलत उत्तर के लिए X के साथ भी ऐसा ही है।) • उत्तर के आधे या एक भाग को सही और शेष को गलत के रूप में चिह्नित किया गया, लेकिन कोई अंक नहीं दिया गया।
15.	उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करते समय यदि उत्तर पूरी तरह से गलत पाया जाता है, तो इसे क्रॉस (X) के रूप में चिह्नित किया जाना चाहिए और शून्य (0) अंक दिए जाने चाहिए।
16.	किसी भी अमूल्यांकित हिस्से, शीर्षक पृष्ठ पर अंक न ले जाना, या उम्मीदवार द्वारा पाई गई कुल त्रुटि, मूल्यांकन कार्य में लगे सभी कर्मियों और बोर्ड की प्रतिष्ठा को भी नुकसान पहुंचाएगा। इसलिए, सभी संबंधितों की प्रतिष्ठा को बनाए रखने के लिए, यह फिर से दोहराया जाता है कि निर्देशों का सावधानीपूर्वक और विवेकपूर्ण पालन किया जाए।
17.	वास्तविक मूल्यांकन शुरू करने से पहले परीक्षकों को स्पॉट मूल्यांकन के लिए दिशा–निर्देशों में दिए गए दिशा–निर्देशों से खुद को परिचित करना चाहिए।
18.	प्रत्येक परीक्षक यह भी सुनिश्चित करेगें कि सभी उत्तरों का मूल्यांकन किया गया है, अंक शीर्षक पृष्ठ पर ले जाया गया है, सही ढंग से कुल और अंकों को शब्दों में लिखा गया है।.
19.	बोर्ड उम्मीदवारों के आवेदक के अनुरोध पर उत्तर पुस्तिका की फोटोकॉपी प्राप्त करने की अनुमति देता है और संबंधित शुल्क के भुगतान पर पुनर्मूल्यांकन का अवसर भी प्रदान करता है। मुख्य परिक्षक / अतिरिक्त मुख्य परीक्षको को पुनः स्मरण कराया जाता है कि वे सुनिश्चित करे कि मूल्यांकन अंक योजना में दिए गए मूल्य बिन्दुओं के अनुसार ही किया गया है।

अंक योजना

विषयः सामाजिक विज्ञान (087) 2026

कक्षाः दसवीं

पेपर कोड 32/2/3

सेट 3

अधिकतम अंकः 80

प्र सं.		अपेक्षित मूल्य बिन्दु	पृष्ठ सं.	अंक
		खण्ड क **(इतिहास)**		**20**
1.	(A)	भीमराव अम्बेडकर और महात्मा गाँधी	44	1
2.	(A)	अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं और कारण (R) अभिकथन (A) की सही व्याख्या करता है।	12	1
3.	(C)	जर्मेनिया **निम्नलिखित प्रश्न केवल दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए प्रश्न संख्या 3 के स्थान पर है।**	25	1
	(C)	हंगरी	18	1
4.	(C)	आयरलैंड	55	1
5.	(D)	II,IV,III,I	106–112	1
6.	(B)	चेचक	55	1
7.		**(क)उन्नीसवीं शताब्दी के दौरान पोलैंड में राष्ट्रवाद के विकास में भाषा की भूमिका का विश्लेषण कीजिए।** (i) रूसी कब्ज़े के बाद, पोलिश भाषा को स्कूलों से बलपूर्वक हटा दिया गया और रूसी भाषा को हर जगह जबरन लादा गया। (ii) पोलैंड में कई पादरियों ने राष्ट्रवादी विरोध के लिए भाषा को एक हथियार बनाया। (iii) चर्च के आयोजनों और संपूर्ण धार्मिक शिक्षा में पोलिश भाषा का इस्तेमाल किया जाने लगा। (iv) पोलिश भाषा रूसी प्रभुत्व के विरूद्ध संघर्ष के प्रतीक के रूप में देखी जाने लगी। (v) कोई अन्य प्रासंगिक बिन्दु **किन्हीं तीन बिन्दुओं का विश्लेषण अपेक्षित है।** **अथवा**	15	**3X1=3**

	(ख) 1815 की वियना संधि के मुख्य प्रावधानों का विश्लेषण कीजिए। (i) राजशाही को पुर्नःस्थापित किया गया। (ii) फ्रांस में बूर्बों वंश को सत्ता में पुनः बहाल किया गया। (iii) फ्रांस ने नेपोलियन शासन के दौरान अधीन किए क्षेत्रों को खो दिया। (iv) भविष्य में फ्रांस के विस्तार को रोकने के लिए फ्रांस की सीमाओं पर कई राज्यों की स्थापना की गई। (v) उत्तर में नीदरलैंड्स राज्य को स्थापित किया गया जिसमें बेल्जियम भी शामिल था। (vi) दक्षिण में जेनोआ को पीडमोंट में जोड़ दिया गया। (vii) प्रशा को उसकी पश्चिमी सीमाओं पर महत्वपूर्ण नए इलाके दिए गए। (viii) प्रशा को सैक्सनी का एक हिस्सा प्रदान किया गया। (ix) ऑस्ट्रिया को उत्तरी इटली का नियंत्रण सौंपा गया। (x) रूस को पोलैंड का एक हिस्सा दिया गया। (xi) कोई अन्य प्रासंगिक बिन्दु **किन्हीं तीन बिन्दुओं का विश्लेषण अपेक्षित है।**	10—11	**3X1=3**
8.	**(क) ग्रामीण क्षेत्रों में 'असहयोग आंदोलन' के विस्तार की व्याख्या कीजिए।** (i) असहयोग आंदोलन ने ग्रामीण क्षेत्रों में हो रहे किसानों और आदिवासियों के संघर्षों को अपने साथ मिला लिया। (ii) अवध में, किसानों का नेतृत्व बाबा रामचंद्र ने किया। (iii) इस आंदोलन की मांग थी – तालुकदारों और ज़मींदारों द्वारा वसूले जाने वाले लगान में कमी की जाए। (iv) बेगार (बिना मज़दूरी के काम) को खत्म किया जाए। (v) आंदोलन ने ज़मीन पर मालिकाना हक की सुरक्षा की वकालत की और ज़ुल्म करने वाले ज़मींदारों का सामाजिक बहिष्कार किया जाए। (vi) पंचायतों ने 'नाई–धोबी बंद' का आयोजन किया, ताकि ज़मींदारों को नाई और धोबी जैसी सेवाओं से भी वंचित किया जा सके। (vii) जब 1921 में असहयोग आंदोलन शुरू हुआ, तो कांग्रेस ने अवध के किसानों के संघर्ष को इस बड़े आंदोलन के साथ जोड़ने का इरादा किया। (viii) 1921 में, जैसे–जैसे आंदोलन फैला, तालुकदारों और व्यापारियों के घरों पर हमले किए गए। (ix) किसानों ने बाज़ारों को लूटा और व्यापारियों द्वारा जमा करके रखे गए अनाज पर कब्ज़ा कर लिया। (x) कई जगहों पर, स्थानीय नेताओं ने किसानों से कहा कि वे लगान न दें और गांधीजी के नाम पर गरीबों के बीच ज़मीन का बँटवारा किया जाएगा। (xi) आंध्र प्रदेश की गुडेम पहाड़ियों में, 1920 के दशक की शुरुआत में एक उग्र गुरिल्ला आंदोलन फैल गया – जिसका नेतृत्व अल्लूरी सीताराम राजू ने किया। (xii) ब्रिटिश सरकार ने लोगों को अपने मवेशियों को चराने के लिए जंगलों में जाने से रोक दिया। (xiii) आदिवासी किसान जंगल से जलावन लकड़ी और फल इकट्ठा नहीं कर पा रहे थे, जिससे पहाड़ी इलाकों में रहने वाले लोग बहुत नाराज़ हो गए। (xiv) उनकी आजीविका पर बुरा असर पड़ा और उन्हें लगा कि उनके पारंपरिक अधिकारों से उन्हें वंचित किया जा रहा है। (xv) सरकार ने उन्हें सड़कें बनाने के लिए बेगार करने पर मजबूर किया, जिसके कारण उन्होंने विद्रोह कर दिया।	34—36	**5X1=5**

	(xvi) लोग असहयोग आंदोलन से प्रेरित हुए, उन्होंने खादी पहनना शुरू कर दिया और शराब पीना छोड़ दिया। (xvii) गुडेम के विद्रोहियों ने पुलिस थानों पर हमले किए, ब्रिटिश अधिकारियों को मारने की कोशिश की और स्वराज हासिल करने के लिए गुरिल्ला युद्ध जारी रखा। (xviii) कोई अन्य प्रासंगिक बिन्दु **किन्हीं पांच बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।** **अथवा** **(ख) चिह्नों और प्रतीकों ने किस प्रकार भारत में राष्ट्रवाद की भावना को उभारनें में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई? व्याख्या कीजिए।** (i) राष्ट्र की पहचान अक्सर किसी आकृति या छवि के रूप में दर्शाई जाती है। (ii) बीसवीं सदी में, राष्ट्रवाद के विकास के साथ ही, भारत की पहचान बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा बनाई गई 'भारत माता' की छवि से जुड़ गई। (iii) स्वदेशी आंदोलन से प्रेरित होकर, अबनिंद्रनाथ टैगोर ने भारत माता की अपनी प्रसिद्ध पेंटिंग बनाई। (iv) इस पेंटिंग में भारत माता को एक सन्यासनी के रूप में दर्शाया गया है; वे शांत, गंभीर, दिव्य और आध्यात्मिक हैं। (v) इस मातृ–रूप के प्रति भक्ति को किसी व्यक्ति के राष्ट्रवाद के प्रमाण के रूप में देखा जाने लगा। (vi) राष्ट्रवादी नेता लोगों को एकजुट करने में प्रतीकों और चिह्नों के महत्व के प्रति और अधिक जागरूक हो गए। (vii) स्वदेशी आंदोलन के दौरान एक तिरंगा झंडा (लाल, हरा और पीला) तैयार किया गया था। (viii) इसमें आठ कमल के फूल थे, जो ब्रिटिश भारत के आठ प्रांतों का प्रतिनिधित्व करते थे। (ix) 1921 तक गांधीजी ने 'स्वराज ध्वज' तैयार कर लिया था'–एक तिरंगा (लाल, हरा और सफेद) – जिसके केंद्र में एक चरखा बना था, जो गांधीजी के 'आत्म–निर्भरता' के आदर्श का प्रतीक था। (x) जुलूसों के दौरान इस झंडे को अपने हाथों में थामकर ऊँचा लहराना, विरोध और चुनौती का प्रतीक बन गया। (xi) कोई अन्य प्रसांगिक बिन्दु **किन्हीं पांच बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।**	**47–48**	**5X1=5**
9.	दिए गए स्रोत को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। **'प्रिंट और प्रतिबंध'** *1857 के विद्रोह के बाद प्रेस की स्वतंत्रता के प्रति औपनिवेशिक सरकार का रवैया बदल गया। क्रुद्ध अंग्रेजों ने 'देसी' प्रेस का मुँह बंद करने की मांग की। ज्यों – ज्यों भाषाई समाचार पत्र राष्ट्रवाद से समर्थन में मुखर होते गए, त्यों – त्यों औपनिवेशिक सरकार ने कड़े नियंत्रण के प्रस्ताव पर बहस तेज होने लगी। आइरिश प्रेस कानून के तर्ज पर 1878 में 'वर्नाक्युलर प्रेस एक्ट' लागू किया गया। इससे सरकार को भाषाई प्रेस में छपी रपट और संपादकीय को सेंसर करने का व्यापक हक मिल गया। अब से सरकार ने विभिन्न प्रदेशों से छपनें वालें भाषाई अखबारों पर नियमित नजर रखनी शुरू कर दी। अगर किसी रपट को बागी करार दिया जाता था तो अखबार को पहले चेतावनी दी जाती थी, और अगर चेतावनी अनसुनी हुई, तो अखबार को जब्त किया जा सकता था ओर छपाई की मशीनें छीन ली जा सकती थी।* **(9.1) 'वर्नाक्युलर प्रेस एक्ट' का प्रेरणा स्रोत कौन –सा एक्ट था?** **1** आइरिश प्रेस कानून	**127**	**1+1+2=4**

	(9.2) औपनिवेशिक सरकार प्रेस की स्वतंत्रता की पक्षधर क्यों नहीं थी? **1** (i) भारतीय समाचार पत्र राष्ट्रवाद के समर्थन में मुखर होते जा रहे थे। (ii) औपनिवेशिक सरकार द्वारा भारतीय समाचार पत्रों पर कड़े नियंत्रण स्थापित करने की बहस तेज हो गई। (iii) 1857 के विद्रोह के बाद, क्रुद्ध अंग्रेजों ने 'देशी प्रेस' का मुँह बंद करने की मांग की। (iv) औपनिवेशिक सरकार को क्रांतिकारी विचारों के प्रसार का भय था। (v) कोई अन्य प्रासंगिक बिन्दु **किसी एक बिन्दु का उल्लेख कीजिए।** **(9.3) वर्नाक्युलर प्रेस एक्ट ने औपनिवेशिक सरकार को कौन–कौन सी दो शक्तियां प्रदान की?** **2x1=2** (i) इसने सरकार को भाषाई प्रेस में छपी रपट और संपादकीय को सेंसर करने का व्यापक अधिकार प्रदान किया। (ii) सरकार ने समाचार पत्रों पर नियमित निगरानी रखना आरंभ कर दिया। (iii) बागी खबरों को छापने पर समाचार पत्रों को ज़ब्त किया जा सकता था। (iv) छपाई की मशीनों को भी ज़ब्त किया जा सकता था। (v) कोई अन्य प्रासंगिक बिन्दु **किन्हीं दो बिन्दुओं का उल्लेख कीजिए।**		
10.	**संलग्न मानचित्र को देखिए।** **'नोटः' निम्नलिखित प्रश्न केवल दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए प्रश्न संख्या 10 के स्थान पर हैं।** **(10.1) उस स्थान का नाम लिखिए जहाँ सितम्बर 1920 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का अधिवेशन हुआ।** **1** कलकत्ता / कोलकाता **(10.2) उस स्थान का नाम लिखिए जहाँ महात्मा गांधी ने नील किसानों के आंदोलन का नेतृत्व किया।** **1** चंपारण		
	खण्ड ख **(भूगोल)**		**20**
11.	A नागरकोइल से मदुरै	**54**	**1**
12.	D रबड़	**31**	**1**
13.	D मेघालय	**28**	**1**
14.	**(क) संयुक्त वन प्रबंधन के प्रमुख प्रावधानों का वर्णन कीजिए।** (i) भारत में संयुक्त वन प्रबंधन (JFM) कार्यक्रम, क्षरित हो चुके वनों के प्रबंधन और उन्हें फिर से ठीक करने में स्थानीय समुदायों को शामिल करने का एक अच्छा उदाहरण है। (ii) यह कार्यक्रम औपचारिक रूप से 1988 से अस्तित्व में है, जब ओडिशा राज्य ने संयुक्त वन प्रबंधन के लिए पहला प्रस्ताव पारित किया था। (iii) संयुक्त वन प्रबंधन (JFM) स्थानीय (गाँव) संस्थाओं के गठन पर निर्भर करता है, जो मुख्य रूप से वन विभाग द्वारा प्रबंधित खराब हो चुकी वन भूमि पर सुरक्षा गतिविधियाँ करती हैं।	**16–17**	**2x1=2**

	(iv) इसके बदले में, इन समुदायों के सदस्यों को कुछ बीच के लाभों का अधिकार होता है, जैसे कि गैर–लकड़ी वन उत्पाद और 'सफल सुरक्षा' के परिणामस्वरूप काटी गई लकड़ी में हिस्सा। (v) कोई अन्य प्रासंगिक बिन्दु **किन्हीं दो बिन्दुओं का वर्णन अपेक्षित है।** **अथवा** **(ख) भारत में 'रक्षित वनों' की किन्हीं दो विशेषताओं का वर्णन कीजिए।** (i) भारत में वन विभाग द्वारा कुल वन क्षेत्र का लगभग एक–तिहाई हिस्सा 'रक्षित वन' के रूप में संरक्षित है। (ii) इस वन भूमि को किसी भी प्रकार के और अधिक क्षरण से सुरक्षित रखा जाता है। (iii) रक्षित वन ऐसे स्थायी वन क्षेत्र हैं जिनका रख – रखाव इमारती लकड़ी, अन्य वन पदार्थों और उनके बचाव के लिए किया जाता है। (iv) बिहार, हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, ओडिशा और राजस्थान में सुरक्षित वनों का अधिकांश हिस्सा स्थित है। (v) कोई अन्य प्रासंगिक बिन्दु **किन्हीं दो बिन्दुओं का वर्णन अपेक्षित है।**	15	**2x1=2**
15.	**भू–संरक्षण हेतु कोई तीन उपाय सुझाइए।** (i) वनीकरण। (ii) भूमि पर चराई का उचित प्रबंधन। (iii) रक्षक मेखला स्थापित करना। (iv) अतिचारण पर नियंत्रण। (v) काँटेदार झाड़ियाँ उगाकर रेत के टीलों को स्थिर करना। (vi) बंजर भूमि का उचित प्रबंधन। (vii) खनन गतिविधियों पर नियंत्रण। (viii) औद्योगिक अपशिष्टों और कचरे का उपचार के बाद उचित निकास और निपटान। (ix) कोई अन्य प्रासंगिक बिन्दु **किन्हीं तीन उपायों का वर्णन अपेक्षित है।**	6	**3x1=3**
16.	**(क) किसी देश के आर्थिक विकास में विनिर्माण उद्योगों की भूमिका का विश्लेषण कीजिए।** (i) विनिर्माण क्षेत्र को आम तौर पर विकास का, और विशेष रूप से आर्थिक विकास का, रीढ़ माना जाता है। (ii) विनिर्माण उद्योग कृषि के आधुनिकीकरण में सहायता करते हैं। (iii) ये लोगों को द्वितीयक और तृतीयक क्षेत्रकों में रोज़गार उपलब्ध कराकर,कृषि आय पर उनकी अत्यधिक निर्भरता को कम करते हैं। (iv) औद्योगिक विकास किसी देश से बेरोज़गारी और निर्धनता को समाप्त करने में सहायक होता है। (v) जनजातीय और पिछड़े क्षेत्रों में उद्योगों की स्थापना करके क्षेत्रीय असमानताओं को कम करने में मदद करता है। (vi) विनिर्मित वस्तुओं के निर्यात से व्यापार और वाणिज्य का विस्तार होता है। (vii) इससे देश को अत्यंत आवश्यक विदेशी मुद्रा प्राप्त होती है। (viii) जिन देशों की GDP में औद्योगिक क्षेत्र का योगदान अधिक होता है, वे समृद्ध होते हैं। (ix) भारत की समृद्धि उसके विनिर्माण उद्योगों के विस्तार और उनमें विविधता लाने में निहित है। (x) कोई अन्य प्रासंगिक बिन्दु **किन्हीं पाँच बिन्दुओं का विश्लेषण अपेक्षित है।**	58	**5x1=5**

	अथवा **(ख) औद्योगिक प्रदूषण के विभिन्न प्रकारों का विश्लेषण कीजिए।** (i) वायु प्रदूषण अवांछित गैसों की अधिक मात्रा की उपस्थिति के कारण होता है। (ii) वायु में मौजूद कणों वाले पदार्थों में ठोस और तरल, दोनों तरह के कण शामिल होते हैं। (iii) धुआँ रासायनिक और कागज़ के कारखानों, ईंट–भट्ठों, रिफाइनरियों और गलाने वाले संयंत्रों से निकलता है; साथ ही, बड़े और छोटे कारखानों में जीवाश्म ईंधन जलाने से भी धुआँ निकलता है–खासकर उन कारखानों से जो प्रदूषण के नियमों की अनदेखी करते हैं। (iv) वायु प्रदूषण मानव स्वास्थ्य, जानवरों, पौधों, इमारतों और पूरे वातावरण पर बुरा असर डालता है। (v) जल प्रदूषण नदियों में छोड़े गए जैविक और अजैविक औद्योगिक कचरे और अपशिष्टों के कारण होता है। (vi) कागज़, पल्प, रसायन, कपड़ा और रंगाई, पेट्रोलियम रिफाइनरी, चमड़ा उद्योग और इलेक्ट्रोप्लेटिंग जैसे उद्योग अपने अपशिष्टों के रूप में रंगों, डिटर्जेंट, अम्लों, लवणों और सीसा व पारा जैसी भारी धातुओं, कीटनाशकों, उर्वरकों, कार्बन युक्त सिंथेटिक रसायनों, प्लास्टिक और रबर आदि को जल निकायों में छोड़ देते हैं। (vii) फ्लाई ऐश, फॉस्फो–जिप्सम और लोहा व इस्पात के स्लैग भारत में प्रमुख ठोस अपशिष्ट हैं। (viii) जल का तापीय प्रदूषण तब होता है, जब कारखानों और तापीय संयंत्रों से निकलने वाले गर्म पानी को ठंडा किए बिना ही नदियों और तालाबों में बहा दिया जाता है। (ix) परमाणु ऊर्जा संयंत्रों, तथा परमाणु और हथियार उत्पादन सुविधाओं से निकलने वाला कचरा कैंसर, जन्मजात विकृतियों और गर्भपात का कारण बनता है। (x) बारिश का पानी रिसकर मिट्टी में नीचे चला जाता है और अपने साथ प्रदूषकों को भी ज़मीन के नीचे ले जाता है, जिससे भूजल भी दूषित हो जाता है। (xi) ध्वनि प्रदूषण न केवल चिड़चिड़ापन और गुस्सा पैदा करता है, बल्कि इसके कारण सुनने की क्षमता में कमी, हृदय गति में वृद्धि और रक्तचाप में बढ़ोतरी जैसे अन्य शारीरिक प्रभाव भी हो सकते हैं। (xii) औद्योगिक और निर्माण संबंधी गतिविधियाँ, मशीनरी, कारखाने के उपकरण, जनरेटर, आरी और न्यूमैटिक व इलेक्ट्रिक ड्रिल जैसी चीज़ें भी बहुत अत्याधिक शोर उत्पन्न करती हैं। ये अवांछित ध्वनि एक परेशानी का सबब और तनाव का स्रोत होती है। (xiii) कोई अन्य प्रासंगिक बिन्दु **किन्हीं पाँच बिन्दुओं का विश्लेषण अपेक्षित है।**	66	**5x1=5**
17.	**दिए गए स्रोत को ध्यानपूर्वक पढ़िए और नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए:** ***'शस्य प्रारूप'*** *रबी फसलों को शीत ऋतु में अक्टूबर से दिसंबर के मध्य बोया जाता है और ग्रीष्म ऋतु में अप्रैल से जून के मध्य काटा जाता है। खरीफ फसलें देश के विभिन्न क्षेत्रों में मानसून के आगमन के साथ बोई जाती हैं और सितंबर–अक्टूबर में काट ली जाती हैं। रबी और खरीफ फसलों के बीच कम वर्षा में बोई जाने वाली फसल को 'जायद फसल' कहा जाता है।*	32	**1+1+2=4**

	(17.1) चावल की कृषि किस प्रकार की कृषि – ऋतु का उदाहरण है? 1 खरीफ **(17.2) भारत में अप्रैल से जून के मध्य काटी जाने वाली किसी एक फसल का नाम लिखिए। 1** (i) गेहूँ (ii) जौ (iii) मटर (iv) चना (v) सरसों (vi) कोई अन्य **किसी एक फसल का उल्लेख अपेक्षित है।** **(17.3) किन्हीं दो जायद फसलों के नाम लिखिए। 2x1=2** (i) तरबूज (ii) खरबूज (iii) खीरा (iv) सब्जियों (v) कोई अन्य **किन्हीं दो फसलों का उल्लेख अपेक्षित है।**		
18.	**संलग्न मानचित्र को देखिए।** **नोटः निम्नलिखित प्रश्न केवल दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए संख्या 18 के स्थान पर हैं:** किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर लिखिए। **(18.1) महानदी पर स्थित एक प्रमुख बांध का नाम लिखिए। 1** हीराकुड बांध **(18.2) उस स्थान का नाम लिखिए जहाँ उत्तर प्रदेश में एक सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क अवस्थित है। 1** नोएड़ा **(18.3) तमिलनाडु में स्थित एक प्रमुख समुद्री पत्तन का नाम लिखिए। 1** तूतीकोरिन/चेन्नई **(18.4) भारत के पूर्व – पश्चिम गलियारे का सबसे पूर्वी टर्मिनल स्टेशन का नाम लिखिए। 1** सिलचर **(यदि परीक्षार्थी 18.4 प्रश्न का उत्तर दिय है तो उसे 1 अंक प्रदान किया जाए।)**		

		खण्ड ग **(राजनीति विज्ञान)**		**20**
19.	(B) (D)	सिंहली को राजभाषा घोषित करना/ सिंहलियों को सरकारी नौकरियों में प्राथमिकता की नीति लागू करना। **यदि परीक्षार्थी ने दोनों में से किसी भी विकल्प का चयन किया है तो उसे अंक प्रदान किया जाना चाहिए।**	**3**	**1**
20.	(D)	ऑस्ट्रेलिया	**15**	**1**
21.	(A)	केवल I, II और III सही हैं।	**48–49**	**1**
22.	(C)	a-iv, b-i ,c-iii, d-ii	**16–17**	**1**
23.		**भारत में 'दलीय व्यवस्था को सुदृढ़ करने के कोई दो उपाय सुझाइए।** (i) आंतरिक लोकतंत्र को मज़बूत किया जाना चाहिए। (ii) पैसों और अपराधी तत्वों की भूमिका पर रोक लगनी चाहिए। (iii) राजनीतिक दलों को मतदाताओं को उचित विकल्प उपलब्ध करवाना चाहिए। (iv) राजनीतिक दलों में सामान्य कार्यकत्ताओं को सत्ता में आने के सामान अवसर मिलने चाहिए। (v) राजनीतिक दलों के लिए यह अनिवार्य कर देना चाहिए कि वे कम से कम एक–तिहाई टिकट, महिला उम्मीदवारों को दें। (vi) नागरिक, दबाव समूह, आंदोलन, और मीडिया, राजनीतिक दलों पर चुनौतियों से निपटने के लिए दबाव डाल सकते हैं। (vii) इसे सामाजिक और क्षेत्रीय विभाजन को समाहित करने के योग्य होना चाहिए। (viii) भारत को अपनी सामाजिक और भौगोलिक विभिन्नताओं को ध्यान रखते हुए बहुदलीय व्यवस्था को सुदृढ़ करना चाहिए। (ix) कोई अन्य प्रासंगिक बिन्दु **किन्हीं दो बिन्दुओं का विश्लेषण अपेक्षित है।**	**51–61**	**2x1=2**
24.		**''शिकायतों का बने रहना लोकतंत्र की सफलता की गवाही देता है।'' उदाहरणों सहित इस कथन की व्याख्या कीजिए।** (i) एक लोकतंत्र में, लोगों की अधिक उम्मीदें होती हैं और कई शिकायतें होती हैं। (ii) वे अधिक मांग करते हैं और लोकतंत्र को और भी बेहतर बनाना चाहते हैं। (iii) यह प्रदर्शित करता है कि लोगों में अपने अधिकारों और व्यवस्था के प्रति जागरूकता विकसित हुई है। (iv) इससे प्रदर्शित होती है कि लोगों में सत्तारूढ़ और प्रभावशाली लोगों पर आलोचनात्मक दृष्टि डालने की क्षमता विकसित हुई है। (v) सार्वजनिक अभिव्यक्ति लोगों को प्रजा की स्थिति से नागरिक की स्थिति में परिवर्तित कर देती है। (vi) अधिकांश व्यक्ति अब विश्वास करते हैं कि उनका मतदान सरकार के संचालन को प्रभावित करता है। (vii) कोई अन्य प्रासंगिक बिन्दु **किन्हीं दो बिन्दुओं का विश्लेषण अपेक्षित है।**	**72**	**2x1=2**

25.	**संघवाद की प्रमुख विशेषताओं की व्याख्या कीजिए।** (i) सरकार के दो या उससे अधिक स्तर होते हैं। (ii) सरकार के अलग–अलग स्तर एक ही नागरिकों पर शासन करते हैं, लेकिन कानून बनाने, टैक्स लगाने और प्रशासन के विशेष विषयों पर हर स्तर का अपना अधिकार क्षेत्र होता है। (iii) अलग–अलग स्तरों या श्रेणियों का अधिकार क्षेत्र संविधान में साफ तौर पर बताया गया होता है। (iv) संविधान के बुनियादी प्रावधानों को सरकार का कोई एक स्तर अकेले नहीं बदल सकता। (v) अदालतों के पास संविधान और सरकार के अलग–अलग स्तरों की शक्तियों की व्याख्या करने का अधिकार होता है। (vi) अगर सरकार के अलग–अलग स्तरों के बीच अपनी–अपनी शक्तियों के इस्तेमाल को लेकर कोई विवाद पैदा होता है, तो सर्वोच्च न्यायलय निर्णायक की भूमिका निभाती है। (vii) सरकार के हर स्तर के लिए राजस्व के स्रोत साफ तौर पर बताए गए होते हैं, ताकि उसकी वित्तीय स्वायत्तता सुनिश्चित की जा सके। (viii) संघीय व्यवस्था के दोहरे उद्देश्य होते हैं– देश की एकता की रक्षा करना और उसे बढ़ावा देना, और साथ ही क्षेत्रीय विविधता को भी बनाए रखना। (ix) कोई अन्य प्रासंगिक बिन्दु **किन्हीं तीन बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।**	15	**3x1=3**
26.	**(क) सत्ता में साझेदारी के बेल्जियम मॉडल एवं श्रीलंका मॉडल की तुलना कीजिए।** **बेल्जियम मॉडल** (i) बेल्जियम सरकार ने समायोजन के मॉडल को अपनाया। (ii) उन्होंने अपने देश की क्षेत्रीय अंतरों और सांस्कृतिक अंतरों को स्वीकार किया। (iii) उन्होंने 1970 और 1993 के बीच चार बार संवैधानिक बदलाव किए जिससे प्रत्येक व्यक्ति/समूह मिलजुलकर रह सकें। (iv) उन्होंने अलग–अलग समुदायों की भावनाओं और हितों का सम्मान किया। (v) राज्य सरकार केंद्र सरकार के अधीन नहीं हैं। (vi) फ्रेंच बहुसंख्यकों ने ब्रूसेल्स में राज्य स्तर की सरकार में डच और फ्रेंच मंत्रियों की समान संख्या स्वीकार की। (vii) बेल्जियम में डच बहुसंख्यकों ने केंद्र सरकार में फ्रेंच और डच मंत्रियों की समान संख्या स्वीकार की। (viii) एक तीसरी तरह की सरकार – 'सामुदायिक सरकार' ने यह सुनिश्चित किया कि जर्मन अल्पसंख्यक अलग–थलग महसूस न करे। (ix) समुदायिक सरकार तीनों नृजातिय समुहों के सांस्कृतिक, शिक्षा और भाषा से जुड़े विषयों पर कानून निर्माण करती है। (x) कोई भी समुदाय एकतरफ़ा निर्णय नहीं ले सकती। (xi) उन्होंने सत्ता में साझेदारी की व्यवस्था को आपसी सहमति प्रदान की। (xii) कोई अन्य प्रासंगिक बिन्दु **श्रीलंका का मॉडल** (i) श्रीलंका की सरकार ने बहुसंख्यकवाद के मॉडल को अपनाया। (ii) उन्होंनें अपने क्षेत्रीय अंतरों और सांस्कृतिक विविधताओं को नज़रअंदाज़ किया।	3–5	**5x1=5**

	(iii) 1956 में बहुसंख्यक आबादी की इच्छा पूरी करने के लिए एक एक्ट पास किया गया। (iv) उन्होंने सिंहली को ही एकमात्र राजभाषा बना दिया। (v) सरकार ने विश्वविद्यालयों और सरकारी नौकरियों के लिए सिंहलियों को प्राथमिकता की नीति का अनुसरण किया। (vi) नए संविधान में यह प्रावधान किया गया कि राज्य बौद्ध धर्म को संरक्षण और बढ़ावा देगी। (vii) उन्होंने अल्पसंख्यकों की भावना को दबाया। (viii) उन्होंने सत्ता में भागीदार बनाने से मना कर दिया। (ix) श्रीलंका के तमिलों ने तमिल को राजभाषा के तौर पर मान्यता दिलाने, क्षेत्रीय स्वायतता की मांग और शिक्षा और रोजगार में समान अवसरों के लिए संघर्ष किया। (x) 1980 के दशक तक, कई राजनीतिक संगठनों ने एक अलग तमिल ईलम (राज्य) की मांग की। (xi) दोनों समुदायों के बीच अविश्वास एक गृहयुद्ध में बदल गया जो 2009 में खत्म हुआ। (xii) कोई अन्य प्रासंगिक बिन्दु **किन्हीं पाँच बिन्दुओं के आधार पर तुलना अपेक्षित है।** **अथवा** **(ख) लोकतंत्र में सत्ता की साझेदारी क्यों आवश्यक है? स्पष्ट कीजिए।** (i) यह सामाजिक समुदायों के मध्य टकराव की संभावना को कम कर देती है। (ii) यह राजनीतिक व्यवस्था के स्थायित्व को सुनिश्चित करती है। (iii) यह बहुसंख्यक व अल्पसंख्यक समुदायों को शामिल करती है। (iv) यह लोकतंत्र की आत्मा है। (v) लोगों को यह अधिकार है कि उनसे सलाह ली जाए कि उन पर शासन किस प्रकार किया जाए। (vi) एक वैध सरकार वह होती है जहाँ नागरिक सहभागिता के माध्यम से व्यवस्था में हिस्सेदारी हासिल करते हैं। (vii) यह देश की एकता को मज़बूत करती है। (viii) यह लोकतंत्र में लोगों के भरोसे को मज़बूत करती है। (ix) कोई अन्य प्रासंगिक बिन्दु **किन्हीं पाँच बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।**	6	**5x1=5**
27.	दिए गए स्रोत को ध्यानपूर्वक पढ़िए और नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए: ***कितने राजनीतिक दल?*** *कई देशों में सिर्फ एक ही दल को सरकार बनाने और चलाने की अनुमति है। इस कारण उन्हें एकदलीय शासन – व्यवस्था कहा जाता है। कुछ देशों में सत्ता आमतौर पर दो मुख्य दलों के बीच ही बदलती रहती है। वहाँ अनेक दूसरी पार्टियाँ हो सकती है, वे भी चुनाव लड़कर कुछ सीटें जीत सकती हैं पर सिर्फ दो ही दल बहुमत पाने और सरकार बनाने के प्रबल दावेदार होते हैं। इसे दो – दलीय व्यवस्था कहा जाता है। जब अनेक दल सत्ता के लिए होड़ में हों और दो दलों से ज्यादा के लिए या तो अपने दम पर या दूसरों से गठबंधन करके सत्ता में आने का ठीक – ठाक अवसर हो तो इसे हम बहुदलीय व्यवस्था कहते हैं।* **(27.1) 'बहुदलीय व्यवस्था' की प्रमुख विशेषता को स्पष्ट कीजिए।** **1** (i) कई राजनीतिक दल सत्ता के लिए प्रस्पिर्धा करते है। (ii) दो से अधिक राजनीतिक दलों के पास अपनी शक्ति या दूसरों के साथ गठबंधन में सत्ता पाने की वास्तविक संभावना होती है।	**51**	**1+1+2=4**

	(iii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **किसी एक बिंदु की व्याख्या अपेक्षित है।** **(27.2) 'एकदलीय शासन – व्यवस्था' क्यों लोकतंत्र के अनुरूप नहीं है?1** (i) ये नागरिकों को अपनी सरकार के चयन में विकल्पों से वंचित करती है। (ii) एक दलीय व्यवस्था लगभग तानाशाही व्यवस्था की तरह कार्य करती है। (iii) एक दलीय प्रणाली मतदाताओं को सार्थक विकल्प उपलब्ध नहीं करवाती है। (iv) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **कोई एक बिंदु** **(27.3) गठबंधन सरकार की प्रमुख विशेषताओं की व्याख्या कीजिए। 2x1=2** (i) एक बहु–पक्षीय प्रणाली में जब कोई एक पार्टी बहुमत वोट नहीं जुटा पाती, तो सरकार बनाने के लिए उसे अन्य पार्टियों का समर्थन लेना पड़ता है। (ii) यह प्रणाली विभिन्न हितों और विचारों को राजनीतिक प्रतिनिधित्व प्रदान करती है। (iii) यह सरकार में किसी एक दल की मनमानी को रोकती है। (iv) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **किन्हीं दो बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।**		
	खण्ड घ **(अर्थशास्त्र)**			**20**
28.	(B)	क्योंकि इसे भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा केन्द्र सरकार की ओर से जारी किया जाता है।	**40**	**1**
29.	(B)	स्थानीय उद्योगों की रक्षा करने के लिए	**64**	**1**
30.	(D)	अभिकथन (A) गलत है, परंतु कारण (R) सही हैं।	**20**	**1**
31.	(C)	ओडिशा, बिहार, हरियाणा, केरल	**10**	**1**
32.	(B)	ऋणदाता के लिए ऋण सुरक्षित करना	**44**	**1**
33.	(D)	भारतीय रेलवे	**33**	**1**
34.	(B)	उच्च प्रति व्यक्ति आय	**8**	**1**
35.	**अर्थव्यवस्था के 'द्वितीयक क्षेत्रक' की मुख्य विशेषताओं का वर्णन कीजिए।** (i) द्वितीयक क्षेत्र में वे गतिविधियाँ शामिल हैं जिनमें प्राकृतिक उत्पादों को विनिर्माण (manufacturing) के तरीकों से दूसरे रूपों में बदला जाता है। (ii) यह प्राथमिक क्षेत्र की गतिविधि के बाद का अगला चरण है। (iii) कच्चे माल को उत्पादित वस्तु के रूप में उत्पाद को बनाना होता है, इसलिए विनिर्माण की प्रक्रिया आवश्यक होती है। (iv) उत्पादन किसी फ़ैक्टरी, वर्कशॉप या घर पर हो सकता है। (v) यह औद्योगिक गतिविधि से जुड़ा है, इसलिए इसे औद्योगिक क्षेत्र कहा जाता है। (vi) उदाहरण– गन्ने से चीनी या गुड़ बनाना, मिट्टी से ईंटें बनाना, आदि। (vii) कोई अन्य प्रासंगिक बिन्दु **किन्हीं दो बिन्दुओं का वर्णन अपेक्षित है।**			**20**	**2x1=2**

36.	**संगठित क्षेत्रक की प्रमुख विशेषताओं की व्याख्या कीजिए।** (i) संगठित क्षेत्र में वे उद्यम या काम करने की जगहें शामिल हैं, जहाँ रोज़गार की शर्तें नियमित होती हैं। (ii) लोगों का रोजगार सुनिश्चित होता है। (iii) ये उद्यम सरकार के पास रजिस्टर्ड होते हैं। (iv) उन्हें सरकार के नियमों और कानूनों का पालन करना होता है। (v) उन्हें अलग–अलग कानूनों, जैसे फैक्ट्री एक्ट, न्यूनतम मज़दूरी एक्ट, ग्रेच्युटी भुगतान एक्ट, दुकानें और प्रतिष्ठान एक्ट वगैरह का पालन करना होता है। (vi) इस क्षेत्र में कुछ औपचारिक प्रक्रियाएँ और तरीके होते हैं। (vii) कुछ लोग अपना काम खुद कर सकते हैं, लेकिन उन्हें सरकार के पास खुद को रजिस्टर करवाना होता है और नियमों–कानूनों का पालन करना होता है। (viii) इस क्षेत्र के मज़दूरों को रोज़गार की सुरक्षा मिलती है। (ix) उनसे सिर्फ़ तय घंटों तक ही काम करने की उम्मीद की जाती है। (x) अगर वे ज़्यादा काम करते हैं, तो मालिक को उन्हें ओवरटाइम का पैसा देना पड़ता है। (xi) उन्हें सवेतन छुट्टी और छुट्टियों के दौरान भी वेतन मिलता है। (xii) उन्हें मेडिकल सुविधाएँ पाने का अधिकार होता है। (xiii) उन्हें प्रोविडेंट फंड, ग्रेच्युटी वगैरह का भुगतान किया जाता है। (xiv) फैक्ट्री मैनेजर को पीने का पानी और काम करने के लिए सुरक्षित माहौल जैसी सुविधाएँ सुनिश्चित करनी होती हैं। (xv) रिटायर होने पर, इन मज़दूरों को पेंशन भी मिलती है। (xvi) कोई अन्य प्रासंगिक बिन्दु **किन्हीं तीन बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।**	30–31	3x1=3
37.	**'शरीर द्रव्यमान सूचकांक' को परिभाषित कीजिए। इसकी गणना करने की विधि की व्याख्या कीजिए।** **शरीर द्रव्यमान सूचकांक** 1 शरीर द्रव्यमान सूचकांक वह मापदंड है जिसका इस्तेमाल पोषण वैज्ञानिक यह पता लगाने के लिए करते हैं कि हमें ठीक से पोषण मिल रहा है या नहीं। **गणना का तरीका** 2 (i) इसकी गणना वज़न (kgs) ÷ ऊँचाई का वर्ग (मीटर्स में) के द्वारा की जाती हैं। (ii) अगर व्यक्ति की ऊँचाई सेंटीमीटर में है, तो उसे मीटर में बदलें और वज़न (kgs में) को ऊँचाई का वर्ग (m^2) से विभाजित कीजिए। (iii) कोई अन्य प्रासंगिक बिन्दु	13	1+2=3
38.	**(क) साख के औपचारिक एवं अनौपचारिक स्रोतों में अंतर स्पष्ट कीजिए।**	48–49	5x1=5

साख के औपचारिक स्रोत	साख के अनौपचारिक स्रोत
(i) भारतीय रिजर्व बैंक इनकी निगरानी करती है।	(i) इनकी कोई निगरानी नहीं करता।
(ii) ब्याज दर कम होती है।	(ii) उच्च ब्याज दर।
(iii) पुर्नभुगतान सरल होता है।	(iii) ऋण जाल में फंसने की संभावना अधिक होती है।
(iv) कर्जदार पर ऋण का कम भार।	(iv) कर्जदार पर ऋण भार अधिक।

(v) ऋण की शर्तें पूर्वनिर्धारित होती है।	(v) कभी – कभी ऋण की शर्तें पूर्वनिर्धारित नहीं होती है।		
(vi) समर्थक ऋणाधार की आवश्यकता होती है।	(vi) समर्थक ऋणाधार आवश्यक नहीं होता है।		
(vii) बैंक, सहकारी समूह इसके प्रमुख स्रोत है।	(vii) मित्र, नियोक्ता, महाजन इसके प्रमुख स्रोत है।		
(viii) कोई अन्य प्रासंगिक बिन्दु	(viii) कोई अन्य प्रासंगिक बिन्दु		

अंतर के किन्हीं पाँच बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।

अथवा

(ख) 'स्वंय –सहायता समूहों' की कार्यप्रणाली को स्पष्ट कीजिए। — **50–51** — **5x1=5**

(i) स्वंय सहायता समूह का प्रमुख विचार गांव के निर्धनों, विशेषतः महिलाओं को एकत्र करना है।

(ii) एक सामान्य स्वंय सहायता समूह में 15–20 सदस्य होते हैं, जो आम तौर पर एक ही मोहल्ले के होते हैं।

(iii) ये सदस्य नियमित रूप से मिलते हैं और बचत करते हैं।

(iv) वे अपनी बचत करने की क्षमता के आधार पर 25 से 100रू या उससे अधिक जमा करते हैं।

(v) बचत और ऋण से संबंधित अधिकांश आवश्यक निर्णय समूह के सदस्य लेते हैं।

(vi) उद्देश्य, रकम, ब्याज़ दर, ऋण भुगतान की प्रक्रिया पर सदस्य ही निर्णय लेते हैं।

(vii) सदस्य अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए समूह से छोटे – छोटे ऋण ले सकतें हैं जैसे – गिरवी रखी जमीन को छुड़ाना, कार्यशील पूंजी की जरूरतों को पूरा करना, घर बनाने आदि।

(viii) स्वंय सहायता समूह ऋण पर साहूकारों से कम ब्याज़ लेते हैं।

(ix) एक या दो साल बाद, अगर समूह नियमित बचत करते हैं, तो वह बैंक से ऋण लेने के पात्र हो जाता है।

(x) बैंक स्वंय सहायता समूहों को बिना समर्थक ऋणाधार के ऋण देने को तैयार होते हैं।

(xi) समूह की नियमित बैठकों में कई तरह के सामाजिक मुद्दों पर चर्चा होती है।

(xii) कोई अन्य प्रासंगिक बिन्दु

किन्हीं पाँच बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।

प्रश्न सं. 10 और 18 के लिए 32/2/1/2/3 For questions no. 10 and 18

भारत का राजनीतिक रेखा-मानचित्र
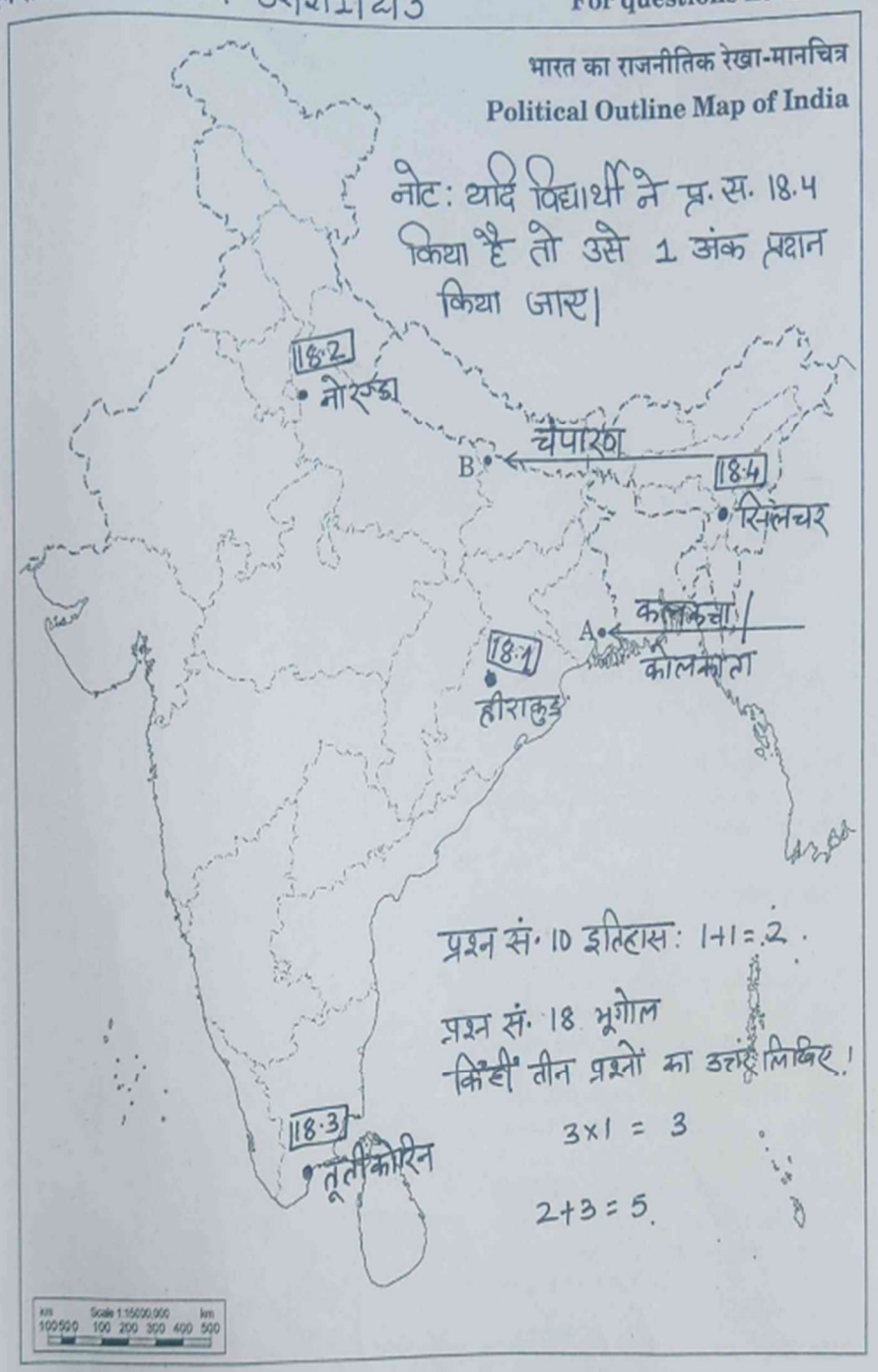
Political Outline Map of India